वर्षिक रिपोर्ट

2025–26

मानव जीवन विकास समिति में

मानव जीवन विकास समिति

परिचयः मानव जीवन विकास समिति एक सामाजिक गैर–सरकारी संगठन है, इसका गठन वर्ष 2000 में किया गया है। समिति का कार्यालय मध्यप्रदेश के कटनी जिले के बड़वारा तहसील के अन्तर्गत बिजौरी गांव में है। समिति के पास 30 एकड भूमि है जहां पर आवासीय परिसर एवं प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना कर अपने कार्य को संचालित कर रही है। समिति के विषयगत क्षेत्रों मे प्राकृतिक एवं जैविक कृषि, स्थायी आजीविका, कौशल विकास, यूथ कैम्प, ग्रामीण पर्यटन, इसके अलावा शिक्षा, स्वास्थ, स्वच्छता, पर्यावरण सुरक्षा, एवं मृदा एवं जल संरक्षण के साथ साथ शैक्षणिक छात्रवृत्ति एवं आकस्मिक सहयोग शामिल है। समिति ने अपने उद्धेश्यों के प्रति सजग रहते हुए सराहनीय कार्य किया है और आगे निरन्तर ग्रामीण क्षेत्रों में काम कर रही है। साथ ही ग्रामीण समुदायों के लिए विषयगत क्षेत्र के आधार पर क्षमतावर्धन कार्यक्रम आयोजित कर जागरूक किया जा रहा है। समिति स्थायी आजीविका के संसाधनों का निर्माण कर आम आदमी को मुख्यधारा से जोड़ने का निरंतर प्रयास कर रही है और युवाओं व महिलाओं को संगठित करके तथा वैकल्पिक विकल्पो के अध्ययन और विश्लेषण के आधार पर संगठित समाज की रचना करने हेतु प्रयासरत है।

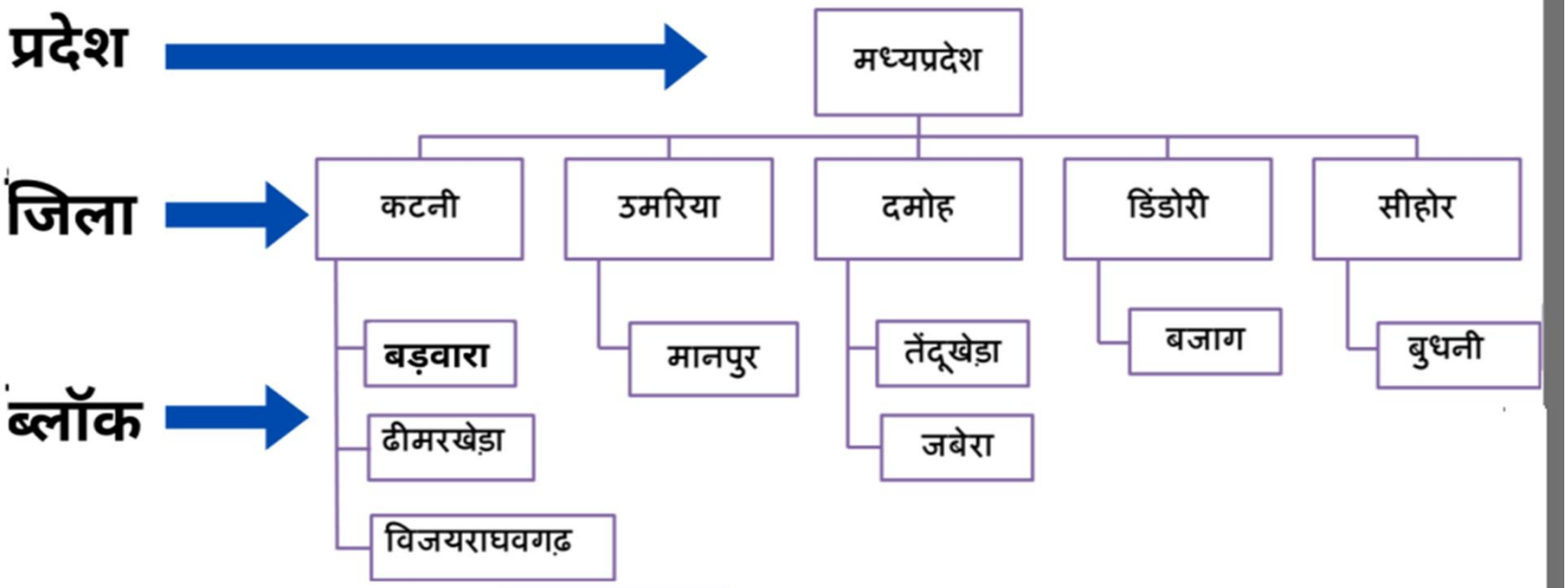
विजन (दृष्टि) . हमारी दृष्टि क गरिमामयी जीवन जीने के प्राकृतिक संसाधनों का प्रबंधन के लिए समुदाय की क्षमता को बढ़ाकर सामाजिक रूप से समावेशी समाज का निर्माण करना।

मिशन (लक्ष्य) . हमारा लक्ष्य जैविक खेती के माध्यम से एक वैकल्पिक आर्थिक मॉडल के रूप मे अहिंसक अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना, प्राकृतिक संसाधनों के इष्टतम प्रबंधन के लिए गरीबी उन्मूलन और सामुदायिक आत्मनिर्भरता की ओर नेतृत्व करना।

कार्यक्षेत्र

मानव जीवन विकास समिति

भौगोलिक कार्यक्षेत्र



कुल कार्यक्षेत्र 5 जिले के 8 ब्लॉक, 110 पंचायत, 280 गांव

लक्षित परिवार – 30000

परियोजना विवरण

परियोजनाऐं	जिला	ब्लॉक	पंचायत	गांव	लाभार्थी
बी.आर.एल.एफ. कमिंस	दमोह	तेन्दूखेड़ा	6	15	2650
यू.एन.डी.पी. – एस.जी.पी. टेरी	दमोह	तेन्दूखेड़ा	10	25	2500
अजीम प्रेमजी फाउण्डेशन	कटनी	ढ़ीमरखेड़ा	30	80	8000
नाबार्ड नॉनबाड़ी परियोजना	कटनी	ढ़ीमरखेड़ा	5	8	200
हरित भारत फण्ड	कटनी	बड़वारा	8	18	1500
	कटनी	ढ़ीमरखेड़ा	6	12	1000
	दमोह	तेन्दुखेड़ा	10	20	1660
	दमोह	जबेरा	3	10	840
फोर्ड फाउण्डेशन	कटनी	बड़वारा	21	50	5000
	दमोह	तेन्दुखेड़ा	13	25	2500
	दमोह	जबेरा	7	25	2500
होमस्टे डेवलपमेंट (मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड)	5 जिले	8 ब्लॉक	10	10	73
जीवदया फाउण्डेशन	कटनी	बड़वारा	1	1	22
	कटनी	ढ़ीमरखेड़ा	1	4	88
आपदा प्रबंधन परियोजना	कटनी	बड़वारा	34	60	600

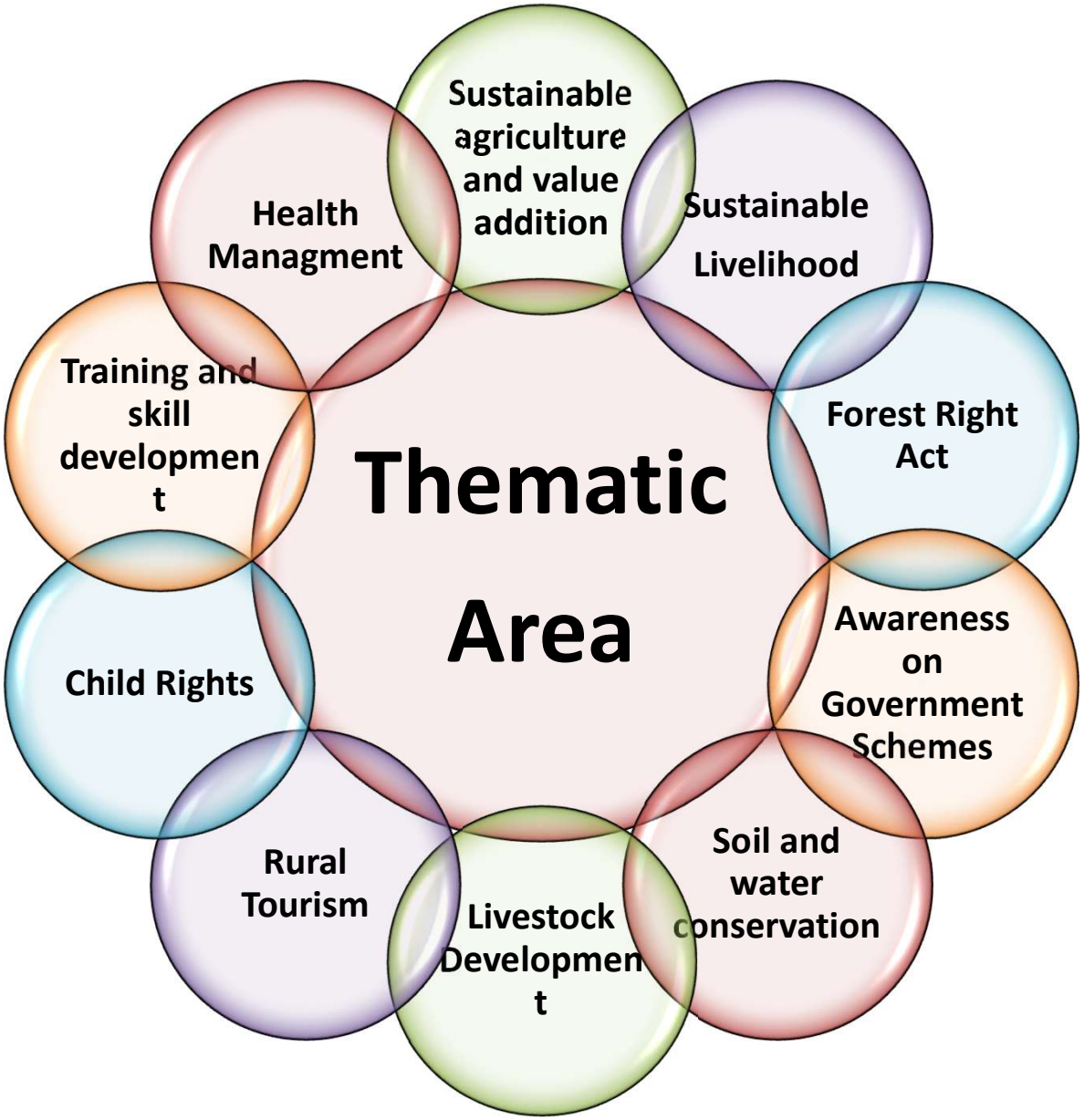
परियोजना विवरण

परियोजनाऐं –	जिला	ब्लॉक	पंचायत	गांव	लाभार्थी
नवांकुर परियोजना (जन अभियान परिषद)	कटनी	बड़वारा	5	5	50
गौशाला प्रबंधन (पशुपालन एवं डेयरी विभाग)	कटनी	बड़वारा	1	1	100 मवेशी
बाढ़ राहत कार्यक्रम	कटनी	ढ़ीमरखेड़ा	5	10	500
	दमोह	तेन्दुखेड़ा	7	26	396
सृजन कार्यक्रम	कटनी	बड़वारा	1 स्कूल	1 स्कूल	65
	उमरिया	मानपुर	1 स्कूल	1 स्कूल	43
	दमोह	तेन्दुखेड़ा	1 स्कूल	1 स्कूल	127
गूंज	कटनी	ढ़ीमरखेड़ा	12	30	1000
	दमोह	तेन्दुखेड़ा	7	26	428
बी.आर.सी. (बॉयो रिसोर्स सेंटर) प्रमोशन	कटनी	बड़वारा	5	5	1000
	कटनी	ढ़ीमरखेड़ा	10	10	2000
	दमोह	तेन्दुखेड़ा	6	6	600
	दमोह	जबेरा	3	3	300

परियोजना विवरण

सी.एस.आर. परियोजनाऐं –		
1. कैल्डरीज सोशल वेलफेयर ट्रस्ट	कटनी	पुलिस लाईन कटनी मे लाईब्रेरी की स्थापना एवं यातायात थाने का डिजिटलीकरण।
2. डायट्रेन्ड्स ज्वेलरी प्रायवेट लिमिटेड	कटनी	खेत तालाब, कुंआ निर्माण, वृक्षारोपण एवं एन.पीएम. सपोर्ट।
3. शुभकाम वेन्चर्स प्रायवेट लिमिटेड	कटनी	ढ़ीमरखेड़ा ब्लॉक के सगौना गांव मे प्रोसेसिंग यूनिट की स्थापना एवं बी.आर.सी. सपोर्ट।

Our Thematic Work area



गतिविधि प्रगति रिपोर्ट

प्राकृतिक कृषि एवं मूल्य सम्वर्धन

प्राकृतिक कृषि कर रहे किसान	किचिन गार्डन प्रमोशन	श्रीअन्न (मिलेट) की खेती	वर्मी कम्पोस्ट (1200 यूनिट)	बीज बैंक (32 यूनिट)	बीआरसी (बायो रिसोर्स सेंटर) (26 यूनिट)	जैविक दवाई बनाने हेतु ड्रम सपोर्ट	अजोला प्रबंधन
लाभार्थी 25000	लाभार्थी 3800	लाभार्थी 3000	लाभार्थी 1200	लाभार्थी 3200	लाभार्थी 2600	लाभार्थी 1400	लाभार्थी 430
प्राकृतिक कृषि एवं मूल्य संवर्धन से लाभान्वित परिवार संख्या : 25000							

















स्थायी आजीविका

मुर्गी पालन	बकरी पालन	मछली पालन	व्यावसायिक स्तर पर सब्जी उत्पादन	औषधीय फसल की खेती	कौशल विकास कार्यक्रम	वनोत्पाद एवं मिलेट प्रमोशन
लाभार्थी 510	लाभार्थी 90	लाभार्थी 47	लाभार्थी 470	लाभार्थी 175	लाभार्थी 436	लाभार्थी 500

स्थायी आजीविका से लाभान्वित परिवार संख्या : 2228













मृदा संरक्षण, जल संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण

भूमि समतलीकरण	**चेक डैम/ स्टॉप डैम**–1	**सामुदायिक तालाब**– 2	**खेत तालाब**	कुंआ निर्माण	बोरी बंधान 15	वृक्षारोपण 86000
लाभार्थी 20	लाभार्थी 35	लाभार्थी 100	लाभार्थी 40	लाभार्थी 29	लाभार्थी 150	लाभार्थी 2000
स्थायी आजीविका से लाभान्वित परिवार संख्या : 2374						

















सरकारी योजना का लाभ

सामुदायिक दावा फार्म (सीएफआर)	व्यक्तिगत दावा फार्म (आईएफआर)	कृषि यंत्रीकरण का लाभ (स्प्रिंकलर / स्प्रे पम्प / मोटर पम्प	रवि एवं खरीफ सीजन मे बीज की उपलब्धता	किसान सम्मान निधि योजना	बॉयो गैस	उपार्जन हेतु पंजीयन	कृषि बीमा योजना से लाभान्वित
लाभार्थी 24	लाभार्थी 800	लाभार्थी 450	लाभार्थी 2500	लाभार्थी 4500	लाभार्थी 2	लाभार्थी 9500	लाभार्थी 750
स्थायी आजीविका से लाभान्वित परिवार संख्या : 18526							






ग्रामीण पर्यटन होमस्टे विकास कार्यक्रम

जिला	कटनी	उमरिया	डिण्डौरी	दमोह	सीहोर	टोटल
गांव	1. खितौली 2. कोनिया	1. मरईकला 2. दमना 3. पनपथा	1. सरवाही	1. पड़रिया थोबन 2. सिंग्रामपरु 3. रिचकुड़ी	1. बोरी	10
होमस्टे हितग्राही	13	23	10	21	6	73
ऑपरेशनल होमस्टे	7	8	1	6	0	22






राहत कार्य

बाढ़ राहत कार्य –				
जिला	ब्लॉक	पंचायत	गांव	लाभार्थी
कटनी	ढ़ीमरखेड़ा	5	10	500
दमोह	तेन्दुखेड़ा	7	26	396
गूंज की मदद से राहत किट सपोर्ट –				
कटनी	ढ़ीमरखेड़ा	12	30	1000
दमोह	तेन्दुखेड़ा	7	26	428





प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण

क्र.	गतिविधि विवरण	लाभार्थी
1	कार्यकर्ता (स्टॉफ) क्षमतावर्धन	65
2	प्राकृतिक व आधुनिक कृषि तकनीक प्रशिक्षण	25000
3	औषधीय फसल की खेती पर प्रशिक्षण	200
4	वीडीसी (ग्राम स्तरीय संगठन) का सशक्तिकरण	80
5	शाासकीय योजनाओं का उन्मुखीकरण (कृषि/उद्यानिकी/पशुपालन/पंचायत)	25000
6	एक्सपोजर विजिट	5000





“मध्य प्रदेश की सामुदायिक पुलिस योजना”

सृजन कार्यक्रम

- सृजन' योजना का मुख्य उद्देश्य कमजोर वर्ग के बालकों और बालिकाओं का संरक्षण, अपराध-मुक्ति, आत्मरक्षा, और सशक्तिकरण है।
- इस योजना के तहत अब तक बड़ी संख्या में बच्चों को लाभान्वित किया जा चुका है। इसके परिणामस्वरूप संबंधित थाना क्षेत्रों और बस्तियों में अपराध में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है।

क्र.	जिला	प्रशिक्षण दिनांक	प्रतिभागी संख्या
1	कटनी	22 दिसंबर 2025 से 13 जनवरी 2026 तक	बच्चे 25, बच्चियां 40 = कुल 65
2	दमोह	11 दिसंबर 2025 से 26 दिसंबर 2025 तक	बच्चे 28, बच्चियां 15 = कुल 43
3	उमरिया	3 फरवरी 2026 से 8 मार्च 2026 तक	बच्चे 59, बच्चियां 68 = कुल 127








आपदा प्रबंधन कार्यक्रम

आपदा प्रबंधन संस्थान द्वारा संचालित परियोजना Empowering NGOs in Comprehensive Disaster Management के अन्तर्गत जिले के 60 सर्वाधिक आपदा प्रभावित ग्रामों मे समुदाय आधारित गतिविधियों के आयोजन हेतु नोडल संस्था का चयन किया गया है। संस्था द्वारा चयनित गांव मे आपदा प्रबंधन को लेकर लोगों का क्षमतावर्द्धन किया जायेगा एवं आपदा से बचाव हेतु जागरूक किया जायेगा।

उद्धेश्य : गांव गांव मे आपदा प्रबंधन को लेकर गतिविधियां आयोजित करना एवं बचाव हेतु दल का गठन कर संभावित आपदा का चिन्हांन कर बचाव हेतु आवश्यक प्रबंधन करना।

कटनी जिले के बड़वारा, विजयराघवगढ़, ढ़ीमरखेड़ा ब्लॉक के 34 पंचायत के 60 गांव मे प्रोग्राम चलाया गया। इसके अन्तर्गत सभी गांव से 600 वालिन्टियर्स का चयन कर आपदा प्रबंधन पर प्रशिक्षित किया गया ताकि जिले मे आपदा से राहत मिल सके।





स्कूल पूर्व शिक्षा एवं पोषण कार्यक्रम

- जीवदया फाउण्डेशन की मदद से कटनी जिले के बड़वारा और ढ़ीमरखेड़ा ब्लॉक के 5 गांव मे 110 बच्चों के यह कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। स्कूली शिक्षा के साथ साथ व्यावहारिक ज्ञान भी बच्चों को दिया जा रहा है। प्रतिदिन बच्चों को पोषण आहार के साथ बिस्किट एवं दूध का सेवन भी कराया जा रहा है।
- बच्चों को स्कूली बैग पठन पाठन सामग्री के साथ, स्कूली ड्रेस, जूते मोजे आदि की सुविधा प्रदान की गई।





Interventions:





Participate in regional level Krashi Mela at JNKVV Jabalpur with HBF Team





Participate in District level Krashi Mela at KVK katni with HBF Team

Nursery Promotion





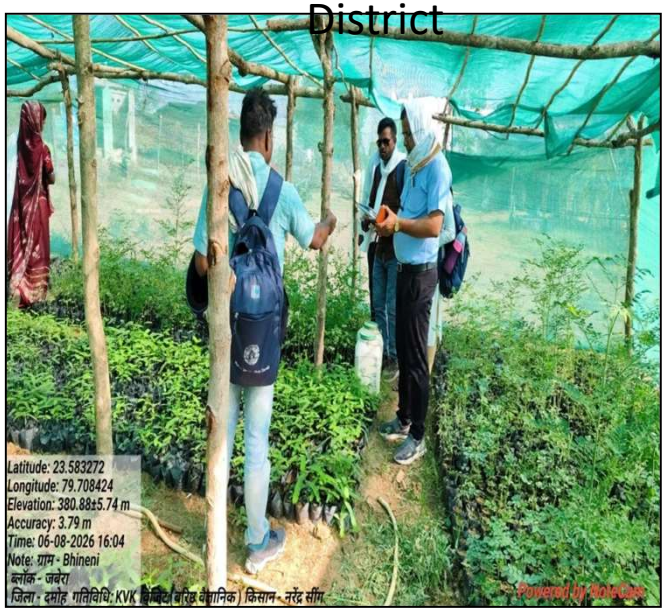
Badwara Block of Katni



Tendukheda Block of Damoh District







Jabera Block of Damoh District

Drip Installation in the Plants









Exposer Visit










आंगनवाड़ी




पपीता
केला
संतरा
उदिता
कार्नर
Shot on OnePlus
8 October 2025 at 12:30 pm










30/12/2025 11:40






ग्राम नेताओं का प्रशिक्षण
प्राकृतिक खेती
प्रशिक्षण

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Jabalpur Katni Bhoomi - 30 May 2025 - Page 1

ढीमरखेड़ा के 8 गांवों के 200 परिवारों ने खेती की ओर बढ़ाया कदम

कृषि वैज्ञानिकों ने कहा मसालों और औषधीय खेती के लिए उपयुक्त है वातावरण

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी



जिले के ढीमरखेड़ा विकासखंड के 8 गांवों के 200 परिवारों ने अदरक, हल्दी और तुलसी की खेती की ओर कदम बढ़ाया है। कृषि वैज्ञानिकों के मुताबिक इन फसलों के लिए इस क्षेत्र की अनुकूल जलवायु और मृदा की वजह से यहां इनका काफी मात्रा में उत्पादन होना संभावित है। उत्पादन के बाद जल्दी ही यहां के अदरक, हल्दी व तुलसी के स्वाद, सुगंध और जायकों का जादू लोगों के सिर चढ़कर बोलेगा।

भूमिधारी 175 किसान के साथ 88 एकड़ भूमि में औषधीय फसल अदरक, हल्दी और तुलसी की खेती करने की योजना है। जिसमे से 75 किसान अदरक और हल्दी की खेती आधा एकड़ मे करेंगे। 100 किसान हल्दी और तुलसी की खेती आधा एकड़ मे करेंगे।

ढीमरखेड़ा विकासखंड के 8 गांवों के 200 परिवार कृषि कार्य के साथ-साथ औषधीय और मसालों की फसल की खेती के साथ-साथ यहां के भूमिहीन परिवार मुर्गीपालन और बकरीपालन जैसा व्यवसाय कर अतिरिक्त आमदनी अर्जित कर सकेंगे। पर्यावरणविद् एवं मानव जीवन विकास समिति के सचिव निर्भय सिंह बताते हैं कि नाबार्ड टीडीएफ परियोजना की मदद से ग्राम कोठी, सगौना, हर्रई, सिवनी, दियागढ़, दैगवां, छाहर और उमरपानी गांव के लोग अब अश्वगंधा की खेती के बाद अदरक हल्दी और तुलसी की भी खेती करेंगे। इनकी उन्नत खेती का किसानों को बकायदा प्रशिक्षण भी दिलाया गया है। यहां के लोगों को अदरक, हल्दी और तुलसी का निःशुल्क बीज भी उपलब्ध कराया गया है।

पर्यावरणविद् श्री सिंह कहते हैं कि ढीमरखेड़ा विकासखंड में 100 किसानों ने 30 एकड़ में अश्वगंधा की खेती की है। पर्यावरण की अनुकूलता की वजह से खेतों में अश्वगंधा की बेहतरीन जड़ें तैयार हैं। अश्वगंधा की खेती करने वाले परिवारों को इसकी वाजिब कीमत दिलाने के लिए कई निजी नामी-गिरामी कंपनियों ने दिलचस्पी भी दिखाई है।

औषधीय एवं मसालों की प्रजाति के फसलों के विशेषज्ञ एवं प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक डॉ. शांति स्वरूप सारस्वत ने किसानों को दिए जा रहे अदरक, हल्दी और तुलसी के बीजों का अवलोकन करने के बाद बताया कि ये अच्छी गुणवत्ता और प्रजाति के बीज हैं। उन्होंने बताया कि किसानों को दिए जा रहे अदरक बीज 'महिमा' की उत्पादकता प्रति एकड़ 60-70 क्विंटल तक होती है। पर्यावरणविद् एवं सचिव निर्भय सिंह कहते हैं कि ढीमरखेड़ा क्षेत्र के 8 गांवों के 75 किसानों को 113 क्विंटल अदरक का बीज, 175 किसानों को 263 क्विंटल हल्दी का बीज और 100 किसानों को 10 किलोग्राम तुलसी का बीज निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है। निःशुल्क बीजों का ग्रामीणों को वितरण भी शुरू हो गया है।

सभी 175 किसानों को 40-40 फलदार प्रजाति के पौधे रोपने के लिए दिए जाएंगे।

जैविक खेती ने बदली किसान रघुनाथ गौंड की तस्वीर- शून्य लागत में कमाई, परिवार को मिल रही शुद्ध सब्जियां



बनवार रासायनिक खेती की बढ़ती लागत और घटते मुनाफे के बीच जबेरा क्षेत्र के ग्राम हरदुआ के 63 वर्षीय किसान रघुनाथ सिंग गौंड ने जैविक खेती अपनाकर एक मिसाल कायम की है। सीमित संसाधनों में उन्होंने न केवल लागत को लगभग शून्य किया, बल्कि खेती से मुनाफा कमाते हुए अपने परिवार को शुद्ध और पौष्टिक भोजन भी उपलब्ध कराया है। मानव जीवन विकास समिति (स्व्छ्क्ष्र्-) के मार्गदर्शन में शुरू हुई इस पहल ने उनकी खेती की दिशा ही बदल दी। संस्था की कार्यकर्ता अर्चना गौंड से संपर्क के बाद रघुनाथ गौंड ने जैविक खेती अपनाने का निर्णय लिया। संस्था के सचिव निर्भय सिंह के निर्देशन में उन्हें टमाटर, बैंगन और लौकी के 320 उन्नत पौधे निःशुल्क उपलब्ध कराए गए। इन पौधों की रोपाई रघुनाथ गौंड ने पूरी तरह जैविक पद्धति से की। समय-समय पर उन्हें तकनीकी मार्गदर्शन और प्रशिक्षण भी मिलता रहा। इसका परिणाम यह हुआ कि उन्हें बाजार से महंगे रासायनिक खाद और कीटनाशक खरीदने की जरूरत नहीं पड़ी और उनकी खेती की लागत लगभग शून्य हो गई। रघुनाथ गौंड के अनुसार अब तक वे टमाटर और बैंगन बेचकर करीब 5 हजार रुपये की आय अर्जित कर चुके हैं, जबकि फसल अभी भी जारी है। इससे उनकी आमदनी में बढ़ोतरी के साथ-साथ खेती के प्रति आत्मविश्वास भी मजबूत हुआ है। जैविक खेती का सकारात्मक प्रभाव उनके परिवार के स्वास्थ्य पर भी पड़ा है। अब उन्हें घर पर ही रसायन मुक्त, ताजी और पौष्टिक सब्जियां मिल रही हैं, जिससे स्वास्थ्य में सुधार महसूस किया जा रहा है। रघुनाथ गौंड की यह सफलता अब पूरे गांव में चर्चा का विषय बन चुकी है। आसपास के किसान भी उनसे प्रेरणा लेकर जैविक खेती की ओर रुख कर रहे हैं। वे स्वयं भी अन्य किसानों को कम लागत में अधिक उत्पादन और बेहतर मुनाफे के लिए जैविक खेती अपनाने की सलाह दे रहे हैं। इस सफलता के पीछे मानव जीवन विकास समिति की टीम का अहम योगदान रहा है। परियोजना समन्वयक नरेश खटीक, ब्लॉक कोऑर्डिनेटर राकेश कुमार विश्वकर्मा, कार्यकर्ता अर्चना गौंड, अनिल धुर्वे, हरिबाई गौंड एवं चरन सींग मरावी ने किसानों को जागरूक करने और तकनीकी सहयोग देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कम लागत, बेहतर उत्पादन और स्वस्थ जीवन—जैविक खेती आज किसानों के लिए नई उम्मीद बनकर उभर रही है।

5 दैनिक मध्यप्रदेश
कटनी, मंगलवार 5 मई 2026
बारडोली

सफलता की कहानी: जैविक खेती कम लागत में अधिक मुनाफा देने वाली बन गई तकनीक

जैविक विधि से अदरक और हल्दी उगाकर रामदास बैगा ने बदली अपनी तकदीर, 82 हजार रूपये की आय कमाकर बनें गांव के रोल मॉडल





कटनी दैमप्र।विकासखंड ढीमरखेड़ा के ग्राम कोठी के एक साधारण किसान रामदास बैगा ने यह सिद्ध कर दिया है कि यदि सही तकनीक और सहयोग मिले, तो छोटी सी जमीन से भी बड़ी सफलता हासिल की जा सकती है। खेती को लाभ का धंधा बनाने के संकल्प के साथ उन्होंने अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि की है।

चुनौतियों से नवाचार की ओर: पारंपरिक खेती करने वाले रामदास बैगा की आय पहले बहुत सीमित और अनिश्चित थी। उनके पास संसाधन तो थे, लेकिन आधुनिक और लाभकारी खेती का ज्ञान नहीं था। जीवन में असली बदलाव तब आया जब पिछले वर्ष जून माह में नाबार्ड के सहयोग से +मानव जीवन विकास समिति+ ने उनका हाथ थामा। मानव जीवन विकास समिति द्वारा रामदास को 150 किलो अदरक और 100 किलो हल्दी के उन्नत बीज उपलब्ध कराए गए। साथ ही उन्हें रासायनिक खादों के बजाय गोबर खाद, जीवामृत और प्राकृतिक कीटनाशकों का उपयोग करने का गहन प्रशिक्षण दिया गया।

5 क्विंटल अदरक का उत्पादन: रामदास की मेहनत और जैविक पद्धति के कारण उत्पादन और मुनाफा दोनों बढ़ गए। जैविक खेती से उन्हें 5 क्विंटल अदरक का उत्पादन प्राप्त हुआ। अदरक का वर्तमान बाजार भाव 80 रूपये प्रति किलो है, जिससे उन्हें लगभग 40 हजार की आय हुई। इसी प्रकार लगभग 7 क्विंटल हल्दी का उत्पादन हुआ। हल्दी वर्तमान में 60 रूपये प्रति किलो के हिसाब से बिक रही है, जिससे उन्हें लगभग 42 हजार रूपये की आय हुई।

रामदास की फसलों की खास बात यह है कि ये पूरी तरह केमिकल फ्री है। जैविक उत्पादन होने के कारण उन्हें बाजार में न केवल बेहतर दाम मिले, बल्कि ग्राहकों के बीच उनकी उपज की मांग भी बढ़ी। आज वे आर्थिक रूप से सशक्त होकर अपने परिवार को एक बेहतर जीवन दे पा रहे हैं।रामदास कहते हैं कि +नाबार्ड और मानव जीवन विकास समिति के मार्गदर्शन ने मेरी सोच बदल दी। जैविक खेती कम लागत में अधिक मुनाफा देने वाली तकनीक है। उन्होंने कहा कि इन संस्थाओं के सहयोग, मार्गदर्शन और समय पर मिले संसाधनों के कारण ही वे आज आत्मनिर्भर बन पाए हैं। इसके लिये +मानव जीवन विकास समिति+ एवं नाबार्ड का हृदय से धन्यवाद।

घिया की खेती ने बदली जगपति सिंह की किस्मत, मात्र 2 हजार रुपये की लागत में कमाए 40 हजार

कटनी दैमप्र। परंपरागत खेती में बढ़ती लागत और घटते मुनाफे के बीच कटनी जिले के ढीमरखेड़ा विकासखंड के एक छोटे से गांव दियागढ़ के किसान जगपति सिंह ने मानव जीवन विकास समिति के मार्गदर्शन में घिया सीख्स की खेती कर कम लागत में बंपर मुनाफा अर्जित किया है। पिछले माहकलेवटर आशीष तिवारी ने खुद कृषक जगपति सिंह के खेत में पहुंचकर घिया की खेती के लिए किसान का उत्साहवर्धन किया था।

मुलाकात से हुई शुरूआत: दियागढ़ गांव में एक बैठक के दौरान जगपति सिंह की पत्नी दुर्गा बाई की मुलाकात मानव जीवन विकास समिति की कार्यकर्ता अदिति वैष्णव से हुई। अदिति ने उन्हें घिया की खेती के फायदों और इसमें होने वाली कम लागत के बारे में बताया। दुर्गाबाई ने यह जानकारी अपने पति जगपति सिंह को दी, जिसके बाद उन्होंने प्रयोग के तौर पर अपने 25 डेसिमल खेत में घिया बोने का निर्णय लिया।

लागत सिर्फ 5 से 10 प्रतिशत: जगपति ने मात्र 200 से 250 ग्राम बीज में 25 डेसिमल की बुवाई की। पूरी फसल के दौरान उन्होंने रासायनिक खाद और न ही महंगे पेस्टिसाइड का इस्तेमाल किया। केवल दो बार जुताई, 3 से 4 बार सिंचाई में फसल तैयार हो गई। इस प्रकार खेती की कुल लागत मात्र 1500 से 2000 रुपये के बीच आई।

कम लागत में हुआ बंपर मुनाफा: जगपति सिंह कहते हैं कि परंपरागत फसलों में जहाँ लागत का मात्र 25-30 प्रतिशत ही मुनाफा मिल पाता है, वहीं घिया की खेती ने बंपर मुनाफा दिया। घिया की खेती में कुल 2 क्विंटल 40 किलो फसल की पैदावार हुई। घिया का बाजार मूल्य लगभग 19 हजार से 20 हजार रुपये प्रति क्विंटल है। इस प्रकार जगपति को 3 से 40 हजार रुपये की कुल आय हुई, और सिर्फ खाद-पटाकर लगभग 36 हजार रुपये सीधे-सीधे शुद्ध मुनाफा मिला।

बनी रहती है मिट्टी की सेहत: मानव जीवन विकास समिति के सचिव एवं पर्यावरणविद् निर्भय सिंह ने बताया कि जिले में जैविक खेती और स्वाई आजीविका को बढ़ावा दिया जा रहा है। घिया जैसी फसलें न केवल आर्थिक रूप से मजबूत बनाती हैं, बल्कि रासायनिक खाद से दूर रहने के कारण जमीन की उर्वरक क्षमता (फर्टिलिटी) भी बनी रहती है।

जबेरा में देशी गेहूं बीजों का डेमो प्लांट स्थापित प्राकृतिक व जैविक खेती को बढ़ावा देने की अनूठी पहल



विवेकी विचार धारा
व्यूरो भगवत सिंह लोधी

जबेरा -प्राकृतिक एवं जैविक खेती को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से ट्रेक्टर जिले के जबेरा विकासखंड अंतर्गत ग्राम भिलेनी में मानव जीवन विकास समिति द्वारा देशी गेहूं के 8 से 10 पारंपरिक किस्मों का डेमो प्लांट स्थापित किया गया है। यह पहल पिछले दो-तीन वर्षों से रखी एवं खरीफ फसलों में मिश्रित की जा रही है।

समिति द्वारा पुराने से पुराने देशी बीजों का संग्रहण कर उन्हें खेतों में प्रदर्शन के रूप में लगाया जा रहा है, जिससे किसानों को प्राकृतिक खेती के प्रभावी परिणामों से अवगत कराया जा सके। वर्तमान सत्र में थार के साथ-साथ गेहूं की पारंपरिक किस्मों पर विशेष कार्य किया जा रहा है।

ग्राम भिलेनी में लगाए गए डब्ल प्लॉट का प्रथम चरण का ट्रेटा कलेक्शन पूर्ण किया गया। इस दौरान कृषक नरेश, कृषक अर्चना एवं दो महिला कृषकों द्वारा गेहूं की विभिन्न किस्मों का चरित्र चित्रण किया गया। डेमो प्लॉट में गुलबर्री, पैसरी, खैरा, मुंडी, बंसी, काला गेहूं 7, सरवरी एवं 322 सहित कुल 8 किस्मों का रोपण किया गया है।

इस संपूर्ण प्रक्रिया में RRA, NCNF, ज्योह जिला प्रशासन, कृषि विभाग (आत्मा) तथा कृषि विज्ञान केंद्र ट्रेनोद का सामरिक सहयोग प्राप्त हो रहा है। इन संस्थाओं के सम्मान से किसानों को देशी बीज संरक्षण, प्राकृतिक खेती तकनीक एवं उत्पादन वृद्धि के संबंध में मार्गदर्शन दिया जा रहा है।

एचकेएनएफ एवं मानव जीवन विकास समिति के संचय निर्भय सिंह ने बताया कि समिति द्वारा देशी बीजों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही हर्बो अन्नदा को अधिक से अधिक तोलों तक पहुंचाने और कृषकों को आवश्यक उपादनों में सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

मुर्गी पालन ने बदला प्रेम बाई का जीवन, हों रहीं आर्थिक सशक्त



ढीमरखेड़ा @ पत्रिका. मेहनत, सही मार्गदर्शन और आत्मविश्वास से जिंदगी बदली जा सकती है, इसका उदाहरण ग्राम पंचायत भमका के ग्राम परसेल निवासी प्रेम बाई ने प्रस्तुत किया हैं। कभी सीमित आय और आर्थिक परेशानियों से जूझ रही प्रेम बाई आज मुर्गी पालन के माध्यम से आत्मनिर्भरता की दिशा में मजबूती से कदम बढ़ा रही हैं। उनकी सफलता की यह कहानी ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं के लिए प्रेरणा बन गई है।

प्रेम बाई के जीवन में यह सकारात्मक बदलाव मानव जीवन विकास समिति के प्रयासों से संभव हो पाया। समिति के सचिव एवं पर्यावरणविद् निर्भय सिंह के नेतृत्व में गांव स्तर पर लोगों को स्वरोजगार और आजीविका के विभिन्न साधनों के प्रति जागरूक किया गया। इसी अभियान के तहत प्रेम बाई को मुर्गी पालन के लिए प्रेरित किया गया। समिति द्वारा उन्हें प्रारंभिक रूप से मुर्गी के चूजे उपलब्ध कराए गए और इस कार्य को शुरू करने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया गया। प्रेम बाई ने इस अवसर को गंभीरता से लेते हुए पूरे मनोयोग के साथ मुर्गी पालन का कार्य प्रारंभ किया।

मिडरा के गंगा घाट तलैया में की गई सफाई और जल संरक्षण का दिलाया शपथ



कटनी, देशबन्धु। नवांकुर संस्था मानव जीवन विकास समिति सचिव एवं पर्यावरणविद निर्भय सिंह के नेतृत्व में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद ब्लॉक बड़वारा, सेक्टर क्रमांक 04 बसाडी अंतर्गत ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति मिडरा में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जलस्रोत गंगा घाट तलैया मिडरा में साफ सफाई कर जल संरक्षण का संकल्प लिया गया। इस दरमियान ब्लॉक समन्वयक नंदनी वाटिया, प्रस्फुटन समिति सदस्य, परामर्शदाता धनीराम कुशवाहा एवं प्रियंका रजक, सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम की छात्रा प्रिया सिंह, नवांकुर संस्था मानव जीवन विकास समिति से सेक्टर प्रभारी गुलशन सिंह एवं ग्रामवासियों की उपस्थिति में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।



सराहनीय पहल:उड़द की जैविक खेती बना प्रेरणा का स्रोत,बदलेगी किसान की तस्वीर

कटनी दैमप्र। मानव जीवन विकास समिति के सचिव एवं पर्यावरणविद निर्भय सिंह के कुशल नेतृत्व में ढीमरखेड़ा ब्लॉक के भमका पंचायत अंतर्गत परसेल गांव में कृषकों को जैविक खेती के प्रति जागरूक एवं प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी क्रम में कृषक केसलाल सिंह को जैविक खेती अपनाने की प्रेरणा मिली। किसान केसलाल सिंह द्वारा उड़द की खेती पूर्णतः जैविक विधि से की गई है इसमें किसी भी प्रकार का रासायनिक खाद बीज का उपयोग नहीं किया गया जो एक सराहनीय पहल है।

जैविक खेती के प्रति जागरूकता कार्य में लगे मानव जीवन विकास समिति की टीम फील्ड समन्वयक गोपाल सिंह एवं ब्लॉक समन्वयक अशोक सिंह द्वारा लगातार गांव गांव में जाकर जैविक खेती के प्रति लोगो को जागरूक करने का काम किया जा रहा है जिससे खेती की गुणवत्ता एवं उत्पादन बेहतर होगा। यह भी बताया गया की जैविक खेती अपनाने से किसानों को होने वाले फायदे इस प्रकार है जैसे कि मिट्टी की उर्वरता में वृद्धि होगी, लागत में कमी आएगी, फसल की गुणवत्ता में सुधार होगा एवं बेहतर उत्पादन होगा।

वर्तमान में किसान की फसल की स्थिति काफी अच्छी है, जिससे आने वाले समय में अधिक उत्पादन की संभावना है।

इस प्रकार की पहल अन्य किसानों के लिए भी प्रेरणास्रोत है। सभी किसानों को जैविक खेती की ओर अग्रसर होने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, ताकि किसानों को अधिक लाभ प्राप्त हो सकें और पर्यावरण एवं भूमि संरक्षण में भी सुधार होगा।

450 किसानों ने बदली राह | **ढीमरखेड़ा और बड़वारा के 125 एकड़ में उगा रहे मसाला और औषधीय फसलें**

धान और गेहूं के खेतों में अब हल्दी, अदरक और अश्वगंधा की खेती

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

कटनी. जिले के आदिवासी बहुल गांवों में खेती की तस्वीर बदलने लगी है। परंपरागत फसलों की खेती करने वाले किसान अब हल्दी, अदरक, अश्वगंधा, तुलसी और चिया जैसी फसलें भी उगा रहे हैं। ढीमरखेड़ा और बड़वारा क्षेत्र के 450 से अधिक किसानों ने करीब 125 एकड़ में इन फसलों की खेती शुरू की है। तीन साल पहले शुरू हुआ प्रयोग अब गांव-गांव पहुंच रहा है। खास बात यह है कि एक किसान के खेत में नई फसल देखकर आसपास के दूसरे किसान भी इसे अपनाने लगे हैं। अब तक परंपरागत खेती पर निर्भर रहे किसानों के लिए नई फसलों को अपनाना आसान नहीं था। फसल कैसी होगी, उत्पादन कितना मिलेगा और तैयार उपज कहां बिकेगी, इसे लेकर आशंका थी। लेकिन पिछले साल अश्वगंधा की खेती से मिले अनुभव ने किसानों का भरोसा बढ़ाया। अब किसान मसाला और औषधीय फसलों को अतिरिक्त आमदनी के विकल्प के रूप में देख रहे हैं।

खेतों से निकलेगी हजारों क्विंटल हल्दी-अदरक-नई फसलों की खेती का दायरा बढ़ने के साथ उत्पादन की उम्मीद भी बढ़ी है। इस सीजन में करीब 2500 से 3000 क्विंटल हल्दी और 700 से 800 क्विंटल अदरक के उत्पादन का अनुमान है। तुलसी को भी लगभग 750 किलोग्राम उपज संभावित है। हालांकि वास्तविक उत्पादन फसल तैयार होने के बाद ही स्पष्ट होगा। ढीमरखेड़ा के कोठी, हर्राई, सगौना, सिवनी, देगवां, दियागढ़, उमरपानी और छाहर सहित आसपास के गांवों में किसान नई फसलें उगा रहे हैं। यह प्रयोग अब बड़वारा के भदौरा, पथवारी, विलायतकला, पठरा, भादावर, जमुनियां और अन्य गांवों तक पहुंच गया है।

एक नजर में नई खेती

फसल	किसानों की संख्या
हल्दी	175
अश्वगंधा	100
तुलसी	100
अदरक	75
चिया	15

एक खेत से शुरू हुआ प्रयोग, दूसरे किसानों ने भी अपनाया

पिछले साल करीब 25 एकड़ में अश्वगंधा की खेती की गई थी। किसानों को इसके लिए निशुल्क बीज उपलब्ध कराए गए। तैयार उपज नीमच कृषि उपज मंडी में करीब 25 हजार रुपए में बेची गई। पर्यावरणविद् एवं मानव जीवन विकास समिति के सचिव निर्भय सिंह के मुताबिक, इस प्रयोग के बाद नई फसलों की खेती करने वाले किसानों की संख्या बढ़ी है। इस वर्ष 175 किसान हल्दी, 100 किसान अश्वगंधा, 100 किसान तुलसी और 75 किसान अदरक की खेती कर रहे हैं। इसके अलावा 15 किसानों ने करीब आधा एकड़ में चिया की फसल भी लगाई है।

जल गंगा संवर्धन अभियान को सफल बनाने श्रमदान से खोदे तालाब

दिव्य न्यूज नेटवर्क,कटनी

मानव जीवन विकास समिति के सचिव एवं पर्यावरणविद निर्भय सिंह के नेतृत्व में कटनी जिले के ढीमरखेड़ा ब्लॉक के महगवां गांव में ग्रामीणों के सहयोग से श्रमदान कर तालाब का निर्माण किया गया है। ग्रामीणों का मानना है की तालाब बनने से बारिस का पानी इकट्ठा होगा इससे जल संरक्षण व भूमि संरक्षण के साथ साथ वाटर लेवल भी बढ़ेगा जिससे तालाब के आसपास के लगभग 20 से 25 किसानों को सीधा लाभ पहुंचेगा। यह जन भागीदारी से किया गया



काम जल संरक्षण के लिए उदाहरण बनेगा। गांव के अन्य लोगों के लिए भी उदाहरण पेस करेगा। ग्राम महगवां के लोगों और मानव जीवन विकास समिति का यह प्रयास भूजल स्तर बढ़ाने और आने वाली पीढ़ी के लिए पानी बचाने में सीधा योगदान देगा। यह जनभागीदारी से जल संरक्षण का बढ़िया उदाहरण है। इस कार्य में लगे मानव जीवन विकास समिति के सभी कार्यकर्त्ता धन्यवाद के पात्र है। विशेष प्राथमिकता से कार्य में लगे फील्ड समन्वयक मनीषा सिंह धुर्वे एवं ग्रामीण धन सिंह परस्ते, अभय सिंह धुर्वे, नत्थू सिंह धुर्वे, किता बाई आदि का विशेष सहयोग रहा है।

23 दिवसीय सृजन कार्यक्रम का हुआ समापन





कटनी (स्वतंत्रमत)। सृजन कार्यक्रम 22 दिसम्बर 2025 से 13 जनवरी 2026 तक 23 दिवसीय बिजौरी में समापन हुआ सृजन कार्यक्रम का समापन समारोह एमजीवीएस बिजौरी में संपन्न हुआ। सृजन कार्यक्रम किशोर क्षमता वर्धन एवं व्यक्तिगत विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन समारोह। सृजन कार्यक्रम एक पहल शक्ति से सुरक्षा की ओर सामुदायिक पुलिस योजना। सृजन कार्यक्रम किशोर सशक्तिकरण सामुदायिक पुलिस कार्यक्रम। बच्चों में नेतृत्व क्षमता के साथ सकारात्मक व्यवहार के प्रति जागरूकता, आत्मविश्वास का संचार हुआ। बच्चों को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया गया। सृजन कार्यक्रम मानव जीवन विकास समिति और मध्य प्रदेश पुलिस जिला कटनी के संयुक्त तत्वाधान मे सामुदायिक पुलिस उप महा निरीक्षक डॉ. विनीत कपूर भोपाल के निर्देशन मे कटनी जिला पुलिस अधीक्षक अभिनव विश्वकर्मा एवं अतिरिक पुलिस अधीक्षक संतोष डेहरिया के मार्गदर्शन मे बड़खरा थाना प्रभारी के.के. पटेल के सहयोग से मानव जीवन विकास समिति सचिव निर्भय सिंह के नेतृत्व मे 23 दिवसीय सामुदायिक पुलिस सृजन कार्यक्रम का समापन 13 जनवरी 2026 को एमजेवीएस बिजौरी, थाना बड़खारा जिला कटनी मे संपन्न हुआ। निर्भय सिंह सचिव मानव जीवन विकास समिति द्वारा बताया गया कि सृजन कार्यक्रम के माध्यम से 65 किशोरों और किशोरियों का सशक्तिकरण, लैंगिक समानता, आत्मनिर्भरता, समुदायिक बदलाव, आत्मविश्वास और कौशल से परिपूर्ण करने हेतु क्षमता निर्माण किया गया और नशामुक्ति, बालश्रम, बाल अपराध, बाल विवाह, सायबर फ्राड से बचने कानूनी एवं तकनीकी जानकारी दी गई। आत्मरक्षा हेतु मार्शल आर्ट्स, जुंबा, स्ट्रेचिंग का अभ्यास कराया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों को आत्मरक्षा, व्यक्तित्व विकास एवं कैरियर मार्गदर्शन पर प्रशिक्षण दिया गया। बच्चों का उत्साहवर्धन बढ़ाने के लिए पुलिस विभाग कटनी द्वारा बच्चों को स्कूली बैग दिया गया। मानव जीवन विकास समिति द्वारा बच्चों को टीशर्ट, टोपी और प्रमाणपत्र देकर उत्साहवर्धन किया गया। निबंध प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को उपहार देकर सम्मानित किया गया। आरक्षक विकास कुमार शर्मा द्वारा सृजन कार्यक्रम को सफल बनाने मार्शल आर्ट का प्रदर्शन बच्चों के माध्यम से कराया गया। पुलिस अधीक्षक अभिनव विश्वकर्म द्वारा सृजन कार्यक्रम में सहयोग कर रही संस्था मानव जीवन विकास समिति को धन्यवाद देते हुए उनके कार्य की सराहना की है। सृजन कार्यक्रम के तहत बच्चों को विभिन्न गतिविधियों में प्रशिक्षण दे रहे आरक्षक विकास कुमार शर्मा को भी धन्यवाद दिए। इस कार्यक्रम में शामिल सभी बच्चे जिन्होंने इस छोटे से प्रयास में मार्शल आर्ट, जुंबा, स्ट्रेचिंग का अभ्यास कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है सभी धन्यवाद के पात्र हैं। बच्चों ने नई स्किल सीखी है जिससे आत्मविश्वास जागा है अब आत्मरक्षा के लिए अपनी सीख का उपयोग करेंगे। बच्चों ने जो पोस्टर में चित्र कला बनाया था उसे प्रदर्शित किया सभी ने इस कला की सराहना की है और पुलिस अधीक्षक द्वारा बताया गया कि जिसका अच्छा पोस्टर चित्रकला होगा उसमें से प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले को प्रमाणपत्र भी देंगे। अतिरिक पुलिस अधीक्षक संतोष डेहरिया ने कार्यक्रम के दौरान बच्चों से संवाद भी किया और कहा युवाओं को जागरुक कर अपराधों पर अंकुश लगाया जा सकता है। बच्चों को अपने अधिकार और कानूनी जानकारी का ज्ञान हुआ है। अपराधों पर अंकुश लगाने 112 डायल से पुलिस को सूचना देकर अपराध को रोकने में मदद पहुंचाएंगे। कार्यक्रम में समस्त मानव जीवन विकास समिति कार्यकर्ता साथियों, शिक्षक और समाजसेवी की उपस्थिति रही।

मानव जीवन विकास समिति द्वारा आयोजन

आपदा प्रबंधन एवं सिविल डिफेंस वालिंटियर को दिया प्रशिक्षण

दिव्य न्यूज नेटवर्क,कटनी



कार्यक्रम समन्वयक रामकिशोर चौधरी द्वारा बताया गया की मानव जीवन विकास समिति सचिव निर्भय सिंह के नेतृत्व में डिस्ट्रिक्ट कमाण्डेंट होमगार्ड विभाग, कटनी की मदद से आपदा प्रबंधन वालिंटियर एवं सिविल डिफेंस वालिंटियर का जिला स्तरीय एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यालय डिस्ट्रिक्ट कमाण्डेंट होमगार्ड जिला कटनी में आयोजित किया गया। समिति सचिव निर्भय सिंह द्वारा बताया गया की हम आपदा प्रबंधन संस्थान भोपाल के सहयोग से जिले के चयनित 60 गांव में आपदा प्रबंधन को लेकर जागरूकता कार्यक्रम चला रहे है। हमारा मानना है की आपदा जनित समस्याओं से सुरक्षा पाने के लिए गांव गांव में जागरूकता फैलाने की जरुरत है। यह भी बताया गया की बाढ़, सूखा, आग, बिजली गिरना, तूफान, औद्योगिक दुर्घटनाएं, महामारी जैसी समस्याओं से बचने सम्बंधित विभाग को सूचित करें और सतर्क रहे, जागरूक बने तभी सुरक्षा मिल पायेगी। होमगार्ड निरीक्षक विजयांश चौधरी द्वारा सहभागियों को आपदा से निपटने विविध आयाम बताये साथ ही यह भी कहा की आप गांव गांव में अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करने का काम करिये ताकि आने वाले समय से आसानी से आपदा जैसी समस्याओं से निपटा जा सके। पिछले दिनों ढीमरखेड़ा में आयी बाढ़ से काफी सीखने को मिला है अब हमें आपदा पूर्व बचने का प्रबंध करके रखना है। इसके पहले कोविड-19 जैसे महामारी से निपटना चुनौतीपूर्ण था। डॉक्टर राजेंद्र गुप्ता द्वारा बताया गया की आकस्मिक दुर्घटना या अटैक जैसी समस्या आती है तो सीपीआर देने की जरुरत पड़ती है जिसके नियम बताये गए यह भी कहा डरने की जरुरत नहीं है प्राथमिक उपचार करते हुए नजदीकी स्वास्थ केंद्र ले जाये। सायबर सेल से टीआई अनूप सिंह के द्वारा बताया गया की फ्राड से बचने सतर्क रहने और जागरूक होने की जरुरत है। सायबर सेल के चन्दन के द्वारा बताया गया की आजकल बहुत सारे फ्राड डिजिटली तरीके से हो रहे है जिसमे स्मार्टफोन के माध्यम से सोशल साईट्स के जरिये लिंक भेजकर फ्राड किया जा रहा है। इस प्रकार के फ्राड से बचने तत्काल सायबर हेल्पलाइन नंबर 1930 से सुरक्षा मांगे। होमगार्ड की टीम के द्वारा फायर सेफ्टी का उपयोग व आग लगने से बचाव, आग लगने की स्थिति में जान-माल की सुरक्षा और आग के जोखिम को कम करने के लिए बरती जाने वाली सावधानियां, प्रक्रियाएं और उपाय बताया गया। कार्यक्रम में कटनी जिले के बड़खारा, ढीमरखेड़ा और विजयराघवगढ़ ब्लॉक के 60 गांव से 60 वालिंटियर की भागीदारी रही है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर 10 प्रजाति के 100 पौधे रोपे गए

मानव जीवन विकास समिति द्वारा बड़खारा विधायक की मौजूदगी में वृक्षारोपण



कटनी, अग्निबाण। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मानव जीवन विकास समिति सचिव और पर्यावरणविद निर्भय सिंह के नेतृत्व में एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण कार्यक्रम 5 जून 2026 को बजरंग गौशाला पठरा में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। संस्था सचिव एवं पर्यावरणविद निर्भय सिंह बताते हैं कि पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण करना जरुरी है। हम सभी मिलकर आज बजरंग गौशाला प्रांगण में आम, अमरुद, मुनगा, सीताफल, आंवला, करने, जीवित बचाने की शपथ ली है। यह भी बताय गया की संस्था पर्यावरण संरक्षण और जल संरक्षण पर विशेष जोर देकर काम कर रही है। सभी जन वृक्षारोपण करें, जल स्रोतों की रक्षा करें, प्लास्टिक मुक्त बचाये रखने के लिए मानव जीवन विकास समिति द्वारा पौधों की सिंचाई के लिए ड्रिप लगाया जा रहा है ताकि सभी पौधे जीवित बच सके। विधायक बड़खारा श्री सिंह ने आज के इस सफल आयोजन के लिए दिए। उपस्थित लोगों से पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधे लगाने के साथ-साथ इनकी देखभाल व सुरक्षा पर भी ध्यान देने की बात कही। यही पर बने खेत तालाब का भी विजिट किया और तालाब के अच्छे मॉडल की सराहना की है। कार्यक्रम के दौरान मंडल अध्यक्ष अनुराग गुप्ता, जनपद उपाध्यक्ष राम सेवक दुबे, बड़खारा सीईओ सुश्री प्रभा तेकाम, एपीओ डॉ. अजीत सिंह, जनपद बड़खारा से बबिता सिंह, इंजीनियर धीरेन्द्र मिश्रा, समाजसेवी राजेश चौधरी, अनिल सिंह उपसरपंच, नत्थू सिंह सचिव, सुशील कुशवाहा रोजगार सहायक, अभिराज सिंह पत्रकार, पंजाब सिंह, सुखेन्द्र सिंह, रामकिशोर चौधरी, चंद्रपाल कुशवाहा सहित मानव जीवन विकास समिति की पूरी टीम एवं

मानव जीवन विकास समिति का मिला मार्गदर्शन

रसायन मुक्त खेती से किसानों के लिये प्रेरणास्त्रोत बने केसलाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी



जिले के ढीमरखेड़ा विकासखंड के एक छोटे से गांव परसेल के प्रगतिशील किसान केसलाल सिंह ने पारंपरिक रासायनिक खेती को छोड़कर जैविक पद्धति को अपनाकर यह साबित कर दिया है कि प्रकृति के साथ तालमेल बिठाकर न केवल बेहतर उत्पादन पाया जा सकता है, बल्कि धरती की उर्वरता को भी बचाया जा सकता है।

केसलाल सिंह की इस सफलता के पीछे मानव जीवन विकास समिति का मार्गदर्शन और पर्यावरणविद् निर्भय सिंह का विजन रहा है। समिति द्वारा चलाए जा रहे जागरूकता अभियान से प्रभावित होकर केसलाल ने निर्णय लिया कि वे अपनी उड़द की फसल में किसी भी प्रकार के हानिकारक रसायनों का प्रयोग नहीं करेंगे।

केसलाल सिंह ने इस वर्ष उड़द की खेती में पूरी तरह से स्वदेशी और प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग किया और खेत में यूरिया या डीएपी जैसे जहरीले खादों का उपयोग नहीं किया।उन्होंने मिट्टी की सेहत सुधारने के लिए गोबर खाद और अन्य जैविक खादों का इस्तेमाल किया गया। साथ ही बाजार के महंगे बीजों के बजाय शुद्ध और पारंपरिक बीजों को प्राथमिकता दी।

मानव जीवन विकास समिति की टीम ने केसलाल को हर कदम पर तकनीकी सहायता प्रदान की। फील्ड समन्वयक गोपाल सिंह ने मिट्टी की गुणवत्ता बनाए रखने के गुर सिखाए। ब्लॉक समन्वयक अशोक सिंह ने किसान को बताया कि कैसे घर पर ही जैविक खाद बनाकर खेती की लागत को न्यूनतम किया जा सकता है। साथ ही समिति के सदस्यों ने समय-समय पर फसल का निरीक्षण कर बेहतर उत्पादन की तकनीकें भी साझा कीं।

जैविक खेती का दिखा असर

वर्तमान में केसलाल सिंह की उड़द की फसल लहलहा रही है और शानदार उत्पादन की उम्मीद है। इस पहल के 3 प्रमुख लाभ सामने आए हैं। कीटनाशकों और रसायनों पर होने वाला खर्च बच गया जिससे उन्हें सीधा आर्थिक फायदा मिला। फसल पूरी तरह शुद्ध और स्वास्थ्यवर्धक है औरभूमि की दीर्घकालिक उत्पादकता और जल धारण क्षमता में भी सुधार हुआ है।

परसेल गांव के केसलाल सिंह आज ढीमरखेड़ा क्षेत्र के सैकड़ों किसानों के लिए एक प्रेरणास्त्रो त बन गए हैं। ग्राम पंचायत भमका और आसपास के गांवों के किसान अब केसलाल के खेत को देखने पहुंच रहे हैं और जैविक खेती को अपनाने का संकल्प ले रहे हैं।

पर्यावरणविद् एवं मानव जीवन विकास समिति के सचिव निर्भय सिंह कहते हैं कि रजब हम मिट्टी को जहर देना बंद करते हैं, तो मिट्टी हमें बदले में अमृत देती है। जैविक खेती से न केवल लागत कम होती है, बल्कि आत्मसंतुष्टि भी मिलती है।

खेत तालाब बनाने से मिलेगा सिंचाई के लिए पानी, बढ़ेगी आमदनी

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कराया जा रहा कार्य



नवभारत, कटनी। मानव जीवन विकास समिति सचिव और पर्यावरणविद निर्भय सिंह के नेतृत्व में जल गंगा संवर्धन अभियान को सफल बनाने समिति के प्रयास से जिले में जल संरक्षण के प्रति जन जागरूकता और खेत तालाब, कुंआ का निर्माण कराया जा रहा है। इससे गांव गांव में जन जागरूकता का सन्देश पहुंचेगा और सभी ग्रामवासियों की मदद से अधिक मात्रा में जल बचा पाएंगे। समिति के प्रयासों से 10 खेत तालाब और 8 कुंआ निर्माण कराया जा रहा है। जिसमे बड़खारा ब्लॉक के भजिया, पठरा, बंदरी और अमाड़ी गांव में 5 खेत तालाब बनाये जा रहे है जिसमें से 3 कम्प्लीट हो गए है 2 खेत तालाब के काम प्रगतिरत है। ढीमरखेड़ा ब्लॉक के महगवां दैगवां, अतरिया और कटरिया गांव में 5 खेत तालाब बनाए जा रहे है जिसमे से 3 कम्प्लीट हो गए है 2 खेत तालाब के काम प्रगतिरत है। किसानो का मानना है की एक खेत तालाब से 5 एकड़ जमीन सिंचित होती है तो 10 खेत तालाब बनने से 50 एकड़ जमीन सिंचित होगी जिसमे किसानो की आमदनी बढ़ेगी। जल संरक्षण को ध्यान में रखते हुए जिले के बड़खारा ब्लॉक के रोहनिया, चपहनी और अमाड़ी गांव में 3 किसानों के यहां कुंआ का निर्माण कराया जा रहा है जिसमें से 2 के काम प्रगतिरत है 1 का काम प्रस्तावित है। ढीमरखेड़ा ब्लॉक के कुदरा, पहरुआ, भलवारा, कटरिया और दादर सिहुडी गांव में 5 कुंआ का निर्माण कराया जा रहा है जिसमे 1 का काम प्रगतिरत है 4 का काम अभी प्रस्तावित है। किसानो का मानना है की यदि 1 कुंआ बनने से 3 एकड़ जमीन सिंचित होती है तो 8 कुंआ बनने से 24 एकड़ जमीन सिंचित होगी।

किसानो की आमदनी में 4 गुनी बढ़ोत्तरी होने की संभावना है। इसके साथ ही खेत तालाब और कुंआ के बनने से आसपास के क्षेत्र का वाटर लेवल भी बढ़ेगा।

जैव संसाधन केन्द्र बना ग्रामीण आजीविका सशक्तिकरण की मिसाल

प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग से किसानों को मिली जैविक खाद-दवाइयां, स्थानीय रोजगार

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

बड़वारा विकासखंड के ग्राम पंचायत पठरा स्थित बजरंग गौशाला में संचालित बजरंग जैव संसाधन केंद्र (बीआरसी) स्थानीय प्राकृतिक संसाधनों के सतत प्रबंधन और ग्रामीण आजीविका सशक्तिकरण की दिशा में सामुदायिक पहल के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। केंद्र द्वारा स्थानीय संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए छोटे एवं सीमांत किसानों को जैविक कृषि से जोड़ते हुये उन्हें उचित मूल्य पर जैविक खाद एवं जैविक दवाईयां उपलब्ध कराई जा रहीं है।

उपसंचालक कृषि खेलावन डेहरिया ने बताया कि बजरंग जैव संसाधन केंद्र (बीआरसी) द्वारा जैविक खाद एवं जैविक दवाइयों के



उत्पादन और बाजार के बीच की दूरी को कम करने के लिए किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण दिया जा रहा है। स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों से जैविक खाद और दवाइयां तैयार करने, उनकी गुणवत्ता, पैकेजिंग एवं भंडारण की जानकारी भी उपलब्ध कराई जाती है। केंद्र के माध्यम से तैयार जैव उत्पादों को किसानों तक उचित मूल्य पर पहुंचाने के साथ-साथ इनके प्रचार-प्रसार एवं बिक्री के लिए भी मंच उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे किसानों की बिचौलियों पर निर्भरता कम करने और उत्पादन को बाजार की मांग से जोड़ने में मदद मिल रही है।

बजरंग जैव संसाधन केंद्र का संचालन कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, कटनी तथा मानव जीवन विकास समिति के सामूहिक तत्वावधान में किया जा रहा है। कृषि विभाग द्वारा वित्तीय सहयोग दिया जा रहा है, जबकि मानव जीवन विकास समिति केंद्र के संचालन, तकनीकी सहयोग एवं प्रबंधन की जिम्मेदारी संभाल रही है।

65 किसानों ने लिया लाभ

उपसंचालक कृषि श्री डेहरिया ने बताया कि केंद्र में फसल की आवश्यकता और मौसम के अनुसार 16 प्रकार की जैविक खाद एवं जैविक कीटनाशक तैयार कर उपलब्ध कराए जाते हैं। किसान अपनी आवश्यकता के अनुसार यहां से जैविक खाद एवं दवाइयां प्राप्त कर रहे हैं। कृषि विभाग के सहयोग से संचालित (एनएमएनएफ) योजना के अंतर्गत पठरा एवं रोहनिया के दो क्लस्टरों के करीब 250 किसान इस केंद्र से जुड़े हुए हैं। वर्तमान मौसम में अब तक 65 किसान बीआरसी से जैविक खाद एवं दवाइयां प्राप्त कर चुके हैं और अन्य किसानों को भी जैविक उत्पादों के उपयोग के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

भूमिका भास्कर
Digital Edition
मध्यप्रदेश का नंबर 1 विश्वसनीय समाचार पत्र
सागर, 21 सितंबर 2026, सोमवार www.bhumikabhaskar.com



ग्राम पंचायतों में प्राकृतिक खेती, आजीविका एवं सामुदायिक जनभागीदारी के विकास कार्य चल रहे हैं

मुकेश जैन झलौन

झलोन // मानव जीवन विकास समिति बिजौरी जिला कटनी मध्य प्रदेश के सचिव श्री निर्भय सिंह जी के मार्गदर्शन यू, एन, डी, पी, परियोजना के सहयोग से जिला दमोह ब्लॉक तेंदूखेडा के ग्राम व ग्राम पंचायतों में प्राकृतिक खेती, आजीविका एवं सामुदायिक जनभागीदारी के विकास कार्य चल रहे हैं विकास कार्य को आगे बढाते हुए बाजार मुक्त खेती करने के लिए संस्था द्वारा किसानों से नवांचार के मध्यम से किसानों से खेती के गुण सिखाये जा रहे हैं परम्परागत कृषि के साथ ही किसानों के लिए निम्नलिखित बर्बटी, टमाटर,बैगन, मिर्ची, ग्राम पंचायतों व गावों में सब्जी पौधे वितरण किये जा रहे हैं 500 किसानों के लिए 135000 निशुल्क ग्राम,समदई, पटेरियामाल, पटेरियाचक्र,महगुवांकला, रिचकुढी, धनगौर कला, बहेरियमाल, बहेरियरैयत, जमुन, पिडरई, हनुमत बागो, बमनोदा, साताफेरी,डहरा, केवलारी,चंदना, पलवा,हर्रई



,सेहरी, अंचलपुरा,मगदुपुरा,झलोन, हर दुआ,ससनाखुर्द,बिसनाखेड़ी, इत्यादि ग्रामो में सब्जी पौधे किसानों के लिए वितरण किये गये किसान जहर मुक्त सब्जी उगाकर स्वयं उपयोग करेंगे तथा बाजार में भी बेंचकर अपनी आय बढाने में आत्मनिर्भर बनगें उक्त विज्ञाप्ती मानव जीवन विकास समिति बिजौरी जिला कटनी मध्य प्रदेश के जिला समन्वयक घनश्याम प्रसाद रायकवार द्वारा प्रेषित की गई।

नेत्र शिविर

मानव जीवन विकास समिति परिसर में आयोजन

विशाल निःशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

दिव्य न्यूज़ नेटवर्क,कटनी

विश्व दृष्टि दिवस 2026 के अवसर पर, मानव जीवन विकास समिति परिसर बिजौरी (मझगवां) में विशाल निःशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य शिविर लगाया गया, जिसमें मानव जीवन विकास समिति, राहत समर्पण सेवा समिति, सुख सागर मेडिकल कॉलेज, जबलपुर और ममता आई केयर क्लिनिक, विजयराघवगढ़ के संयुक्त तत्वाधान में शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का मूल मोटो बेहतर नजर के साथ बेहतर स्वास्थ्य की परिकल्पना को साकार बनाया जा सके। बेहतर नजर का मतलब सिर्फ साफ देखना नहीं है, यह जिंदगी की क्वालिटी को बेहतर बनाने और उम्मीद जगाने के बारे में है। मानव जीवन विकास





समिति (एमजेवीएस) के सचिव निर्भय सिंह के कुशल नेतृत्व में राहत समर्पण सेवा समिति के सहयोग से, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉक्टर शारदा प्रसाद साहू एवं स्वास्थ्य विशेषज्ञ सत्यम साहू के द्वारा शिविर के दौरान 82 लोगों की आँखों और आम हेल्थ स्क्रीनिंग हुई। जिसमे 25 लोगों को मुफ़्त में चश्मे मिले, 30 मरीज़ों में मोतियाबिंद की पहचान हुई और उन्हें आगे की जांच और सही इलाज की सलाह दी गई इसमें से 5 लोगों को आँख के आपरेशन हेतु सुख सागर मेडिकल कॉलेज जबलपुर भेजा गया जिनका सफल एवं बेहतर उपचार जारी है। ये कोशिशें समय पर आँखों की जांच, कम्युनिटी में जागरूकता और आसानी से मिलने वाली हेल्थकेयर सर्विस के महत्व को दिखाती हैं। हमारा विज़न सिर्फ़ आँखों की रोशनी से कहीं ज़्यादा है, यह एक ज़्यादा सेहतमंद और सबको साथ लेकर चलने वाला समाज बनाने के बारे में है जहाँ हर किसी को एक बेहतर भविष्य देखने का मौका मिले धन्यवाद।

ग्रामीण संस्कृति को वैश्विक पहचान, दमना के होमस्टे में ठहरे फ्रांसीसी मेहमान, सांस्कृतिक मूल्यों के साथ पर्यटन को मिला नया आयाम

ग्रामीण परंपराओं और आत्मीय आतिथ्य से प्रभावित हुए विदेशी पर्यटक, होमस्टे मॉडल बना आत्मनिर्भरता का माध्यम





एक्सप्रेस न्यूज, कटनी। पड़ोसी उमरिया जिले के मानपुर ब्लॉक अंतर्गत दमना गांव स्थित नवीन होमस्टे में यूरोप (फ्रांस) से आए सात विदेशी पर्यटक एवं दो भारतीय अतिथि ठहरे, जिन्होंने ग्रामीण जीवनशैली और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों का नजदीक से अनुभव किया। मानव जीवन विकास समिति के सचिव निर्भय सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस ग्रामीण पर्यटन भ्रमण के दौरान विदेशी मेहमानों ने आसपास के गांव मरईकला सहित विभिन्न पर्यटन स्थलों का दौरा किया। मानव जीवन विकास समिति द्वारा मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड भोपाल के सहयोग से प्रदेश के कटनी, उमरिया, डिंडोरी, दमोह, सीहोर एवं मंडला जिलों में ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु होमस्टे की परिकल्पना पर कार्य किया जा रहा है। दमना गांव में पांच परिवारों द्वारा संचालित होमस्टे तैयार हो चुके हैं, जहां विदेशी मेहमानों का आगमन शुरू हो गया है।

फ्रांस से आए मेहमान

क्लाउड रैबर (71), जीन यवेस पोइरी (66), ऐनी फैंकोइसआर (69), मैरिट कास्टे (80), ओडिले पोइरियर (61), जोएलेल रेनॉड (67) एवं कैथरीन बीटिस्च (67) – को ट्रांसलेटर यथार्थ तिवारी एवं गाइड भूपेश शर्मा की सहायता से ग्रामीण पर्यटन का अनुभव कराया गया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय जीवनशैली, पारंपरिक भोजन और ग्रामीण परिवेश को नजदीक से जाना।

सांस्कृतिक अनुभव

पर्यटकों ने पुरातात्विक धरोहर पुरानी गढ़ी (किला), चतुर्भुज मंदिर, स्थानीय मेले एवं गांव-स्कूल का भ्रमण किया। साथ ही बैलगाड़ी की सवारी, कर्मा नृत्य, हस्तनिर्मित ईंट एवं मिट्टी के बर्तन निर्माण, लकड़ी के झूले का अनुभव तथा देशी पोशाक, मेहंदी और पारंपरिक व्यंजनों का आनंद लिया। ग्रामीण संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित करते हुए होमस्टे की यह पहल स्थानीय लोगों के लिए रोजगार और आत्मनिर्भरता का नया मार्ग खोल रही है। विदेशी पर्यटकों की बढ़ती रुचि से न केवल क्षेत्रीय पर्यटन को बढ़ावा मिल रहा है, बल्कि भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों को वैश्विक स्तर पर नई पहचान भी मिल रही है।



मानव जीवन विकास समिति द्वारा 130 जरूरतमंद परिवारों को निःशुल्क खाद्यान्न सामग्री का वितरण



कटनी, देशबन्धु। मानव जीवन विकास समिति द्वारा जीवदया फाउण्डेशन की मदद से सेवा संकल्प अभियान के दौरान भारत राहत कार्यक्रम के तहत जरूरतमंद परिवारों को राहत किट (खाद्यान्न सामग्री) का वितरण किया गया। ढीमरखेड़ा ब्लॉक के सलैया, बिचुआ, कोकोडबरा और भलवारा गांव में प्री स्कूल पोषण एवं शिक्षा कार्यक्रम अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र में अध्ययनरत बच्चों के परिवार एवं गरीब और जरूरतमंद 130 परिवार को खाद्यान्न सामग्री प्रति परिवार 30 कि.ग्रा. सूखा राशन 26 कि.ग्रा. चावल और 4 किग्रा दाल उपलब्ध कराकर राहत पहुँचाया गया। इस पहल का उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों को सहयोग प्रदान कर उनके जीवन में राहत और आशा की किरण जगाना है। जरुरत के समय सहायता पहुंचाकर मानव सेवा का परिचय दिया है। मानव जीवन विकास समिति सचिव एवं पर्यावरणविद श्री निर्भय सिंह का कहना है की जरुरत की घडी में आवश्यकता वाले परिवार को 26 कि.ग्रा. चावल और 4 कि.ग्रा. दाल कुल 30 कि.ग्रा. सूखा राशन प्रदान करके सहायता करने में हमें खुशी हो रही है। परिवार स्वस्थ और खुशहाल रहे ताकि बच्चे आंगनबाड़ी स्कूल में जाकर पढाई कर सके।

नवाचार हल्दी, अदरक, अश्वगंधा और चिया से उम्मीद, प्रतिष्ठित कंपनियों ने भी खरीद को लेकर दिखाई रुचि

450 किसानों ने पारंपरिक खेती से नवाचार की ओर बढ़ाए कदम

नईदुनिया प्रतिनिधि, कटनी: खेत वही हैं, किसान वही हैं, लेकिन अब खेती का अंदाज बदल रहा है। जिन खेतों में कभी परंपरागत फसलों की ही उम्मीद बोई जाती थी, वहां अब हल्दी की पीली रंगत, अदरक की खुशबू, अश्वगंधा की जड़ें, तुलसी की हरियाली और चिया के छोटे-छोटे बीज भविष्य की नई संभावनाओं का संदेश दे रहे हैं। ढीमरखेड़ा और बड़वारा क्षेत्र के 450 से अधिक आदिवासी किसानों ने करीब सवा सौ एकड़ में पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर प्राकृतिक, औषधीय और मसाला फसलों को अपनाया है। लगातार तीसरे वर्ष आगे बढ़ रही यह पहल अब खेतों में फसल बदलने से कहीं आगे निकलकर किसानों की सोच में बदलाव की कहानी बन गई है।

कलेक्टर आशीष तिवारी द्वारा



खेत खड़े होकर फसल को दिखाते किसान। ● सौ.किसान

प्राकृतिक, औषधीय और बागवानी फसलों की खेती को प्रोत्साहित करने के लिए कृषि और उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों को दिए गए निर्देशों के बाद किसानों को नई फसलों से जोड़ने के गंभीर प्रयास किए गए। शुरुआत में नई फसल, नई तकनीक और बाजार को लेकर किसानों के मन में कई सवाल थे, लेकिन पर्यावरणविद् निर्भय सिंह के सद्प्रयासों आदिवासी किसानों के मन से धीरे-धीरे तमाम आशंकाओं को भरोसे में बदल दिया।

एक खेत की सफलता दूसरे खेत की उम्मीद: पर्यावरणविद् एवं मानव जीवन विकास समिति के सचिव निर्भय सिंह बताते हैं कि पिछले वर्ष किसानों को अश्वगंधा के निःशुल्क बीज उपलब्ध कराए गए थे। करीब 25 एकड़ में अश्वगंधा की खेती हुई। तैयार उपज नीमच कृषि उपज मंडी में 25 हजार रुपये में बेची गई और इसका सीधा लाभ उत्पादक किसानों को मिला। यह अनुभव किसानों के लिए एक तरह से रास्ता दिखाने वाला साबित हुआ। इस वर्ष नई फसलों का रकबा और किसानों की संख्या दोनों बढ़ी है। इस वर्ष 175 किसान हल्दी, 100-100 किसान अश्वगंधा और तुलसी तथा 75 आदिवासी किसान अदरक की खेती कर रहे हैं। वहीं 15 किसानों ने करीब आधा एकड़ में चिया की खेती की है। अनुमान के मुताबिक इन खेतों से करीब 700 से 800 क्विंटल अदरक, 2500 से 3000 क्विंटल हल्दी और लगभग 750 किलोग्राम तुलसी की उपज संभावित है। अश्वगंधा की भी इस वर्ष अच्छी होने की उम्मीद है।

आठ गांवों से शुरू हुई बड़वारा तक पहुंची: नाबा टीडीएफ फंड के अंतर्गत न परियोजना के तहत ढी विकासखंड के कोठी, हर्रई, सिवनी, दैगवां, दियागढ़, उमरपा छाहर, भलवारा, मेर, पहरुआ, क खदवारा, बांध, धमका, महगवां तिलमन और बिजौरी गांवों के मसाला एवं औषधीय फसलों क से जुड़े हैं। इसके अलावा बड़वा के भदौरा, पथवारी, विलाय पठरा, भादावर, जमुनियां, भमराड़, चादन और चपहनी गांव किसान इन फसलों की खेती कर यहां अश्वगंधा, हल्दी, अदरक तुलसी की खेती की जा रही है।

कलेक्टर आशीष तिवारी का संस्था मानव जीवन विकास समिति में आकस्मिक दौरा

कटनी (स्वतंत्रमत)।





मानव जीवन विकास समिति सचिव निर्भय सिंह द्वारा बताया गया की समिति प्रांगण बिजौरी में कटनी कलेक्टर आशीष तिवारी का आकस्मिक दौरा हुआ। समिति सचिव सिंह बताते है की हम विगत 25 वर्षों से किसानों की स्थाई आजीविका सुनिश्चित करने प्रयासरत है।

हमारे द्वारा प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने गांव गांव में बीआरसी केंद्र का भी संचालन किया जा रहा है जहाँ से किसानों को उचित मूल्य में जैविक खाद और दवाई मिल जाती है। एफपीओ की जानकारी- किसानों के डेवलपमेंट के लिए हमने बड़वारा और ढीमरखेड़ा ब्लॉक के किसानों को मिलकर संगमबीडी फार्मर प्रोड्यूसर कम्पनी (एफपीओ) बनाया है जो इस वर्ष कोदो कुटकी का खरीदी भी किया है। प्रोसेसिंग यूनिट का विजिट- समिति सचिव सिंह द्वारा बताया गया की हमने एक अलाइव कम्पनी भी बनाया है जिसके माध्यम से किसानों द्वारा उत्पादित वस्तुओं को प्रोसेस करके ब्रांडिंग और पैकेजिंग कर बाजार में मार्केटिंग करते है।

औषधीय फसल जानकारी- यह की बताया गया की औषधीय फसल अदरक और हल्दी की खेती किसानो के लिए फायदेमंद है प्रति एकड़ 5 से 6 क्विण्टल उत्पादन होता है जिसका मार्केट वैल्यू भी अच्छी होती है। प्रदर्शनी का भी अवलोकन- प्रदर्शनी में विलुप्त हो रही विभिन्न प्रकार की फसलों के संगृहीत बीजों को कलेक्टर ने अवलोकन किया है।

मानव जीवन विकास समिति परिसर का विजिट कर समिति के कार्यों को गहराई से जाने और महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान करते हुए कलेक्टर द्वारा समिति के कार्यों की सराहना की गई। विजिट के दौरान जिला पंचायत मुख्यकार्यपालन अधिकारी हरसिमरनप्रीत कौर, बड़वारा तहसीलदार ऋषि गौतम, आत्मा परियोजना संचालक अरुणिमा सेन की भी उपस्थिति रही है। समिति की तरफ से हम प्रशासन को धन्यवाद देते हैं।

आगामी योजना

- परियोजना का सफल संचालन एवं क्रियान्वयन करना|
- ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु कार्य करना|
- 30000 किसानो का NPM फसल प्रमाणिकरण करना|
- प्राकृतिक कृषि को बढ़ावा देने निरंतर कार्य करना।
- जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक संरक्षण के कार्य करना।
- एफपीओ के द्वारा प्रोसेसिंग यूनिट की स्थापना करना।
- वन अधिकार अधिनियम पर **IFR, CFR, CFRR** पर सघन रूप से कार्य करना।
- ग्रामीण विकास विभाग द्वारा 8 पंचायत को मॉडल के रूप मे तैयार करना।
- प्राकृतिक खेती, जैविक खेती और औषधीय खेती को बढ़ावा देना।
- जैविक उत्पाद का मार्केट लिंकेज कराना।
- विभिन्न स्टेकहोल्डरों से लिंकेज जोड़ने।

THANK YOU

Manav Jeevan Vikas Samiti

Email : mjvskatni@gmail.com
website : www.mjvs.org ,
Blogger - https://mjvskatni.blogspot.com/
Twitter - https://twitter.com/mjvs_katni_mp
Facebook - https://www.facebook.com/ngomjvskatni/
Instagram - https://www.instagram.com/manavjeevanvikassamiti/
Youtube- https://www.youtube.com/channel/UCiEnoE5h_oePCKrsea7rLWQ
Linkedin – https://www.linkedin.com/in/manav-jeevan-vikas-samiti-0b7559266